आक़ा के गुलामो का | By Zartaj Kesar

आक़ा आक़ा या रसूल या रसूल

आक़ा के ग़ुलामो का है खूब मुक़द्दर
जलवा है ज़माने में देखा हैं जहाँ पर
आक़ा के ग़ुलामो का.....

तेरा करम हो तो मेरी कश्ती ना डूबे
एक तेरा करम हो तो मेरी कश्ती ना डूबे
औक़ात में रहता है हर एक समंदर
आक़ा के ग़ुलामो का.....

हम जैसे दीवानो की तू ही लाज है रखता
पढता है जहाँ कलमा तेरे हुक्म से पत्थर
आक़ा के ग़ुलामो का.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86%e0%a4%95%e0%a4%bc%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%97%e0%a5%81%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%ae%e0%a5%8b-%e0%a4%95%e0%a4%be-by-zartaj-kesar/